जगद्गुरु श्रीगौरकिशोर दास बाबाजी महाराज

(शिक्षा समन्वित जीवनी)

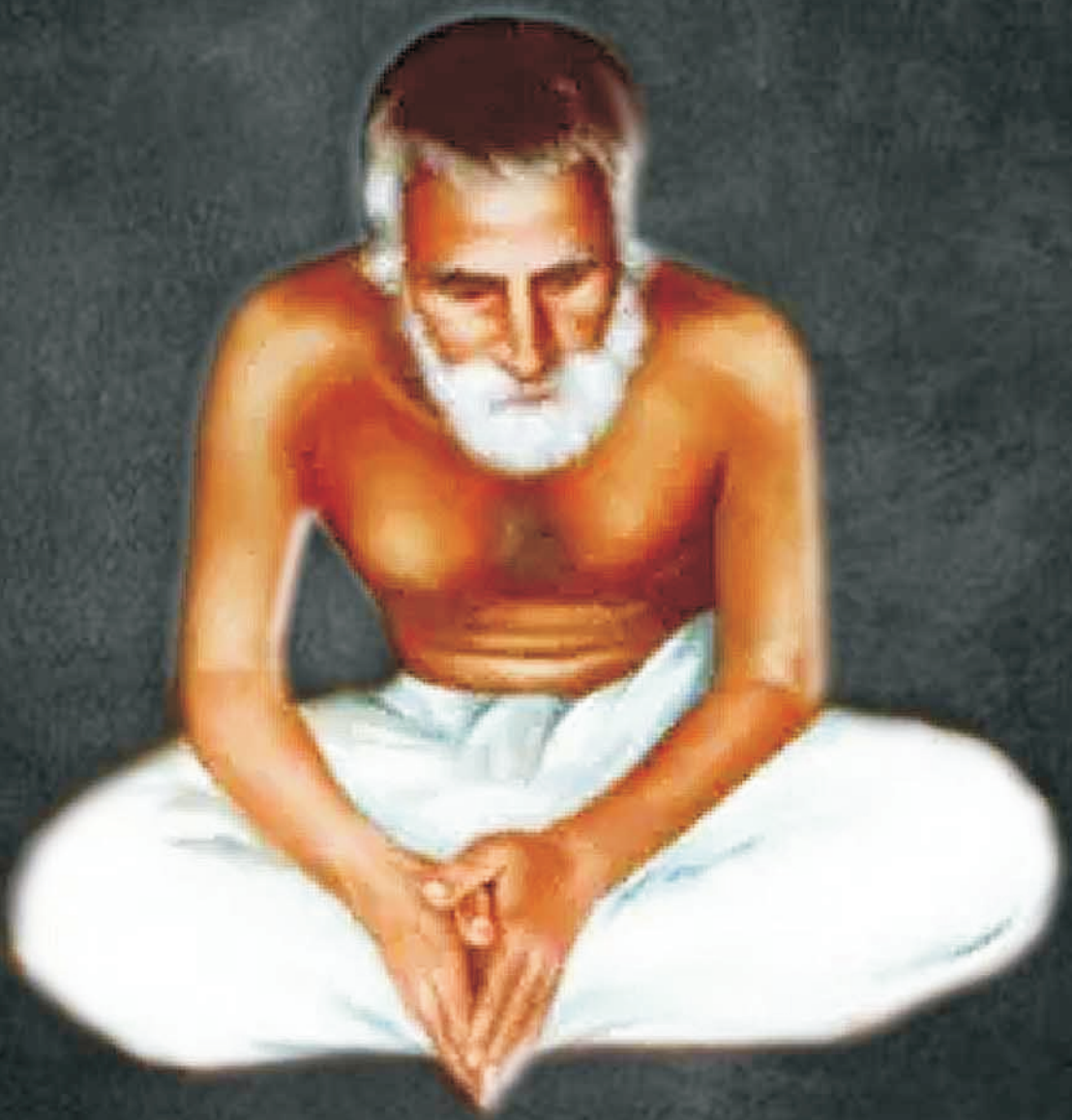

श्रील प्रभुपाद भक्ति सिद्धान्त सरस्वती ठाकुर जी की दिव्य लेखनी से संकलित

SGD

जगद्गुरु श्रीगौरकिशोर

अनुकरण {नकल} करने
के
अपराध के कारण
स्त्रीसंग में रति

ॐ विष्णुपाद श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराज के अतिमर्त्य चरित्र के इन सब उदाहरणों से जाना जाता है कि जो व्यक्ति महाभागवत की सेवा की छलना कर, उनके साथ कपटता करते हैं, उनका परिणाम कितना भयानक होता

है। वास्तविक साधु के उपदेश श्रवण न कर धर्मध्वजियों का संग और कपटता करके वैष्णव सजकर एवं त्यागी की पोषाक पहनने पर भी कोई मंगल लाभ नहीं कर सकता; लेकिन भयानक अमंगल लाभ करता है। श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराज जी के साथ जिन्होंने किसी न किसी प्रकार की कपटता की, वे सब ही विभिन्न प्रकार की विषयासक्ति, स्त्रीसंग में रति

और अपराध के फल से अध:पतित हो गये। नामापराध और वैष्णवापराध के फल से समय समय पर सर्वनाश होता है।

श्रीलगुरुदेव